



पाक एयरस्पेस का विकल्प बनेगा लेह-होतान रूट

● चीन से बातचीत शुरू, नाए रूट से सीधे पश्चिमी देश जा सकेगे भारतीय विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली भारतीय एयरलाइंस को लंबा रूट लेना पड़ रहा है। इससे उड़ान का समय 45 मिनट से 2 घंटे तक बढ़ गया है। ईंधन के साथ ऑपरेशनल खर्च भी बढ़ गया है। इसके विकल्प के तौर पर भारत चीन के होतान एयर रूट पर बातचीत कर रहा है। प्रस्तावित रूट दिल्ली/मुंबई, लेह, होतान, किर्गिस्तान, यूरोप, ब्रिटेन, उत्तरी अमेरिका होगा। एयरपोर्ट्स ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे कुछ उड़ानों का समय 45 मिनट से डेढ़



घंटे तक कम हो सकता है। हालांकि, रूट अभी बातचीत के स्तर पर है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान ने 24 अप्रैल 2025 को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद किया था। जवाब में भारत ने 30 अप्रैल

से पाकिस्तानी विमानों के लिए एयरस्पेस बंद कर दिया। यह प्रतिबंध 17 महीने से जारी है। एयर इंडिया के पूर्व सीईओ कैप्टन विल्सन ने 2025 में अनुमान लगाया था कि 4,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

2019 में भी पाकिस्तान ने एयरस्पेस बंद किया था

बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद 26 फरवरी 2019 को पाकिस्तान ने अपना एयरस्पेस पूरी तरह बंद कर दिया था। करीब 5 महीने बाद 16 जुलाई 2019 को पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए भी अपना एयरस्पेस खोल दिया। इस दौरान भारतीय एयरलाइंस को लंबे रूट से उड़ान भरनी पड़ी। एयर इंडिया को करीब 491 करोड़ का नुकसान हुआ था, जबकि सभी भारतीय एयरलाइंस का कुल नुकसान 550 करोड़ से ज्यादा बताया गया था।

पाकिस्तानी एयरस्पेस से रोज गुजरते थे 150 भारतीय विमान

पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से पहले करीब 100-150 भारतीय विमान रोजाना पाकिस्तानी एयरस्पेस से गुजरते थे। वहीं, भारतीय एयरस्पेस से पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन की करीब 6 उड़ानें हर हफ्ते गुजरती थीं, यानी औसतन रोजाना एक से भी कम उड़ान। पाकिस्तान के एयरस्पेस से बचने के लिए लंबे रूट का इस्तेमाल करना एयर इंडिया के लिए महंगा हो गया है। एयर इंडिया लंबी दूरी की उड़ानों पर काफी निभर है।

ईरानी नाव से मुंबई जा रहे थे, लक्षद्वीप के पास दबोचे गए

3000 करोड़ की ड्रस के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार

नाव को मुंबई लाया गया



मुंबई (एजेंसी)। ईरानी नाव में 3,000 करोड़ की ड्रस के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन को समुद्री

रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे। सिक्योरिटी फोर्स ने यह कार्रवाई लक्षद्वीप के पास 25 सितंबर को की थी। हालांकि, इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात तट के पास एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की थी, जिसकी कीमत 1,800 करोड़ बताई गई। यह खेप पाकिस्तान के पसनी पोर्ट से तमिलनाडु ले जाना था। सुरक्षाबलों को देखकर तस्करो ने ड्रस समुद्र में फेंक दी और पाकिस्तान की समुद्री सीमा की ओर भाग गए।

खुफिया सूचना मिलने के बाद तटरक्षक बल ने समुद्र और हवा से निगरानी की। संदिग्ध नाव को लक्षद्वीप के पश्चिम में रोककर तलाशी ली गई। नाव, चालक दल और ड्रस को सुरक्षा के बीच मुंबई लाया गया है, जहां पुछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। इस कार्रवाई से समुद्री रास्ते से होने वाली तस्करी रुकेगी।

संक्षिप्त

समाचार

लश्कर कमांडर हाशिम मूसा ठेर

जंगल में छिपा था

एनकाउंटर में मारा गया, सेना ने सितंबर में 5 आतंकी मार गिराए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों ने मंगलवार देर रात लश्कर-ए-तेयबा के एक टॉप कमांडर हाशिम मूसा को मार गिराया। मुठभेड़ युद्ध के कोराग इलाके में हुई। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ को यहां आतंकियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था, जिसके बाद जॉइंट सर्व ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के



दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक मारे गए आतंकी की पहचान मूसा के तौर पर हुई है। अलग-अलग रिपोर्टों में उसका नाम सुलेमान शाह उर्फ मूसा, फौजी मूसा और मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा बताया गया है। इंडियन आर्मी ने इस एनकाउंटर को ऑपरेशन कोराग नाम दिया। इलाके में सर्व ऑपरेशन जारी है। सेना को यहां और भी आतंकी छिपे होने की जानकारी मिली है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और बडगाम जिले में 1 से 30 सितंबर के बीच 5 आतंकी मारे गए। 15 सितंबर को बडगाम में यासिर को मार गिराया गया। 17 सितंबर को उधमपुर में दो पाकिस्तानी आतंकियों सद्दाम और मुस्तफा को ठेर किया गया।

किसानों को मोदी सरकार का 'दीवाली' गिफ्ट गेहूं समेत छह रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मार्केटिंग इयर 2027-28 के लिए गेहूं समेत रबी की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 25 रुपये बढ़ाकर 2,610 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। कैबिनेट ने



साथ ही कई बड़े फसलों को मंजूरी दी। इनमें एक बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्रोग्राम पीएम धरा और दिल्ली के लिए इंटेलीजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। इसकी कुल लागत 2,79,157 करोड़ रुपये है। गेहूं रबी की प्रमुख फसल है। इसकी बुवाई आमतौर पर अक्टूबर में और कटाई अप्रैल से शुरू होती है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पहल के लिए 1,86,405 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। साथ ही सरकार ने दिल्ली के नेशनल कैपिटल टेरिस्ट्री में इंटेलीजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम के लिए भी 1,790 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। कैबिनेट ने अलग से रबी मार्केटिंग सीजन 2027-28 के लिए रबी मूल्य नीति को मंजूरी दी है।

एशियन गेम्स में भारत का 'गोल्डेन' डे

● एक दिन में जीते चार गोल्ड, 11वें दिन छापे भारतीय ● तीरंदाजी में तीन और शूटिंग में जीत लिया एक स्वर्ण ● मेडल टैली में उछाल, अब सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई गेम्स में बुधवार भारत के लिए यादगार दिन रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन चार स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इनमें तीन स्वर्ण पदक कंपाउंड तीरंदाजी और एक स्वर्ण पदक शूटिंग में आया। यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का सबसे सफल एकदिवसीय स्वर्णिम प्रदर्शन रहा। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1



के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह इस्कें बाद पुरुष कंपाउंड टीम में गणेश मणि नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता।

इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्सड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता। दिन की शुरुआत महिला कंपाउंड टीम ने की। ज्योति सुरेखा वेन्म, चिकिता तनिपार्थी और पुथिका प्रदीप की भारतीय तिक्डी ने फाइनल में चीन को 238-234

से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष कंपाउंड टीम में गणेश मणि रत्नम, साहिल जाधव और कुशल दलाल ने चीन को बेहद करीबी मुकाबले में 238-



237 से शिकस्त देकर भारत को दूसरा स्वर्ण दिलाया। तीसरा स्वर्ण मिक्सड कंपाउंड टीम में आया। साहिल जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ

रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित चार एंड के बाद दोनों टीमों 157-157 की बराबरी पर थीं। इसके बाद शूट-ऑफ में भारत ने 20-19 से बाजी मारकर स्वर्ण

पदक हासिल किया। इस जीत के साथ दोनों ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के कंपाउंड मिक्सड टीम इवेंट का कोटा भी हासिल किया। भारत का चौथा स्वर्ण शूटिंग में आया। नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने मिक्सड ट्रेप टीम स्पर्धा में 34 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कतर को पीछे छोड़ा, जिसने 32 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी का 34 का स्कोर नया एशियाई खेल रिकॉर्ड भी बना। इन चार स्वर्ण पदकों के साथ भारत की पदक तालिका में तेजी से इजाफा हुआ। उपलब्ध अपडेट के अनुसार भारत के 9 स्वर्ण, 21 रजत और 26 कांस्य सहित कुल 56 पदक हो गए थे। यह दिन भारतीय तीरंदाजी और शूटिंग के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि दोनों खेलों के खिलाड़ियों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को लगातार चार स्वर्ण पदक दिलाए।

बिहार के सारण में गंडक नदी पर बना बांध टूटा

● 6 जिलों में भीषण बाढ़, 1.59 लाख लोग प्रभावित ● यूपी की गलियों में नाव चली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भारी बारिश के बाद गंडक समेत उत्तर बिहार की नदियां उफान पर हैं। 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे 1.59 लाख लोग प्रभावित हैं। बगहा-बेतिया में 4 जगह तटबंध टूटने के बाद बुधवार सुबह सारण में भी बांध टूट गया। निचले इलाकों में तेजी से पानी भर रहा है। राज्य के 17 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ समेत पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों से मानसून लौट चुका है। इसके चलते प्रदेश में बारिश कम हो गई है। उत्राव में



गंगा का जलस्तर बढ़ने से गांवों और मोहल्लों में पानी घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के पडेरु में बारिश के बाद कई इलाकों में घना कोहरा दिखा। तापमान में भी गिरावट आई है। सुबह के समय लोग हेडलाइट जलाकर गाड़ी चलाते देखे गए।

उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में बारिश के आसार- उत्तराखंड में मानसून की विदाई के बीच मौसम में बदलाव जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आज उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, प्रदेश के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

इजराइल जा रही फ्लाइट को कैंसल कराने की कोशिश

पायलट को चाकू मारा, 1 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आया; फाइटर जेट ने लैंडिंग कराई

रियाद (एजेंसी)। दुबई से तेल अवीव जा रही दुबई की फ्लाइट में को-पायलट ने साथी पायलट पर चाकू से हमला किया और विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई। को-पायलट विमान को कैंसल करने की कोशिश कर रहा था। दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने उससे हाथपाई कर उसे रोक लिया। हमले के दौरान विमान 1 मिनट से भी कम समय में करीब 17 हजार फीट नीचे आ गया। इसके बाद विमान से



हार्डलैंड का अलर्ट भेजा गया। इजराइल ने तुरंत फाइटर जेट्स रवाना किए। उनकी निगरानी में फ्लाइट का रास्ता बदला गया और उसे सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में करीब 180 यात्री सवार थे।

सीईसी के खिलाफ लामबंद हुए 19 विपक्षी दल

● 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में प्रदर्शन का किया ऐलान ● 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग घेरेंगे, बैठक में बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत 19 विपक्षी पार्टियां 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगी। 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव किया जाएगा। यह फैसला बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया ब्लॉक बैठक में लिया गया। करीब 3 घंटे चली बैठक में 3 बातों पर सहमति बनी। सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाया जाए। वोट लिस्ट से हटाए गए नामों को सार्वजनिक किया जाए। नाम हटाने से पहले वोटर को नोटिस और अपील का मौका मिले। ईवीएम की जगह बलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। बैठक के बाद खड़गो ने आरोप लगाया कि मोदी-शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव



आयोग को कठपुतली बना दिया है। भाजपा चुनाव आयोग के साथ वोट चोरी कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा- भाजपा ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया- राहुल गांधी ने कहा, हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। बीजेपी, अमित शाह, पीएम मोदी और ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। बीजेपी, पीएम मोदी,

अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया है। हम इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम यह पक्का करेंगे कि लोकतंत्र को बर्बाद करने वालों को सजा मिले। भारतीय लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से बड़ा है। हम एक गठबंधन हैं और देश में बड़े बदलाव लाएंगे। खड़गो ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ आम लोग, युवा,

इंडिया गठबंधन, एनजीओ और एकता और लोकतंत्र के लिए काम करने वाले संगठनों को जुटाया जाएगा।

2-8 अक्टूबर को जिला स्तर पर लोकतंत्र बचाओ मार्च और सीएम ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालेंगे।

संपादकीय

चार धाम यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर केंदारनाथ के कपाटबंद होने पर उत्तराखंड आने वाले हैं। देखा जाए तो चार धाम यात्रा को उत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री का भी विशेष योगदान है। चार धाम यात्रा में इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत भी है। देवभूमि की पहचान सदियों से करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चार धाम यात्रा ने जिस प्रकार आर्थिक गतिविधियों को गति दी है, उस सरकार एवं कारोबारी भी उत्साहित है। केंदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में हर वर्ष बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या यह दर्शाती है कि धार्मिक पर्यटन की संभावनाएं लगातार विस्तार पा रही हैं। यात्रा के दौरान होटल, होमस्टे, परिवहन, भोजनालय, स्थानीय बाजार, घोड़ा-खच्चर संचालक, पिढू, हस्तशिल्प विक्त्रेता और छोटे व्यवसायी सीधे तौर पर लाभान्वित होते है। पर्वतीय क्षेत्रों में जहां रोजगार के अवसर सीमित हैं, वहां चार धाम यात्रा हजारों परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन बन चुकी है। सड़क, परिवहन, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में बढ़ी गतिविधियां स्थानीय अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को बढ़ाती हैं। यही कारण है कि चार धाम यात्रा को उत्तरखंड की आर्थिक रीढ़ कहा जाने लगा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां उद्योगों की संभावनाएं सीमित हैं, यहां धार्मिक पर्यटन विकास का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। यहां एक तरफ इसके फायदे हैं तो वहीं पहाड़ों की भौगोलिकसति के लिए अधिक भीड़ का होना भी घातक है। क्या सड़कें, पार्किंग, स्वास्थ्य सुविधाएं और आपदा प्रबंधन तंत्र इस बढ़ती भीड़ के अनुरूप विकसित हो पाए हैं? हाल के वर्षों में अतिवृष्टि, भूस्खलन और मार्ग अवरुद्ध होने की घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि केवल संख्या बढ़ना ही सफलता का मापदंड नहीं हो सकता। चार धाम यात्रा से होने वाली आय का एक हिस्सा पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन, जल स्रोतों के संरक्षण और आपदा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में भी निवेश किया जाना चाहिए। यात्रा से मिलने वाली आर्थिक शक्ति का उपयोग स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजित करने और पर्वतीय क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने में भी किया जाना चाहिए।सरकार, प्रशासन और समाज की है कि इस आस्था को आर्थिक समृद्धि में बदलते हुए हिमालय की संवेदनशीलता और देवभूमि की गरिमा को भी अक्षुण्ण बनाए रखना चाहिए, तभी चार धाम यात्रा वास्तव में उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बन सकेगी।



प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हममास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार



विनोद सिंह 'तकियावाला'

नी एनर्जी कॉरिडोर चरण-III से 135 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण को मिलेगी गति, 50 जी डब्ल्यु एच बैटरी भंडारण से मजबूत होगा देश का बिजली ग्रिड... भारत की ऊर्जा यात्रा अब केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि देश ऐसी ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन, उसका भंडारण और देश के विभिन्न हिस्सों तक निर्बाध संचरण एक साथ मजबूत हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करने के साथ 135 गीगावॉट तक नवीकरणीय ऊर्जा को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करेगी।भारत में सौर और पवन ऊर्जा की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश के अनेक राज्यों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित हो रही हैं, लेकिन इस ऊर्जा का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब इस मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क के माध्यम से उन क्षेत्रों तक पहुंचाया जा सके जहाँ इसकी आवश्यकता है। ग्रीन एनर्जी

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं। उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है। जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाइयों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि

आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत सहित इन विकासशील देशों को भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करनी होगी। कुल मिलाकर अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ कर विश्व के कई देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में समस्याएं खड़ी कर दी हैं। भारत अभी तक तो अपनी आर्थिक सेहत को सम्हाले हुए है, क्योंकि भारत के पास 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है एवं भारत में आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार के चलते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में वसुली प्रभावी बनी हुई है। परंतु,

युद्ध यदि और अधिक लंबे समय तक चलता है तो भारत में भी आर्थिक क्षेत्र में कुछ परेशनियां आ सकती हैं। बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपनी अक्टोबर 2026 माह में होने वाली बैठक में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करने को मजबूर हो। ब्याज दरों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत के आर्थिक विकास की गति पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। भारत द्वारा आयात की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की कीमतें यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं तो भारत को इन वस्तुओं को उच्च कीमतों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार भी विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है क्योंकि विदेशी संस्थानगत निवेशक भी भारतीय पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल कर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे है। इससे भारतीय रुपए पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न होगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक कम हो सकती है। विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच, भारतीय नागरिकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु आगे आना होगा। इस संदर्भ में केंद्र एवं समस्त राज्य सरकारें तो अपना कार्य पूरी ईमानदारी से सम्पन्न करने का प्रयास कर ही रही हैं, परंतु नागरिकों की भी स्वदेशी अपनाकर एवं विभिन्न उत्पादों का संयम के साथ उपयोग कर अन्य देशों से उत्पादों के आयात को कम करने के प्रयास करने होंगे। भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना होगा एवं आयातित वस्तुओं के उपयोग को कम करना होगा ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। भारतीय नागरिकों द्वारा यदि भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है तो भारतीय विनिर्माण इकाइयों को निर्यात में जाना होगा एवं इससे भारत में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। कुल मिलाकर अब अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के उपयोग को समाप्त करना होगा, यदि समाप्त नहीं कर सकते हैं तो कम तो करना ही होगा।

हरित ऊर्जा की नई राह पर भारत

कॉरिडोर चरण-III इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। राज्यों के भीतर ट्रांसमिशन व्यवस्था को सुदृढ़ करने से नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड एकीकरण और पावर इवैल्यूएशन को गति मिलेगी तथा स्वच्छ ऊर्जा को बिजली की मुख्यधारा में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सकेगा। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में 50 गीगावॉट-घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता का प्रावधान है। नवीकरणीय ऊर्जा की सबसे बड़ी चुनौती उसकी प्रकृति से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी हर समय उपलब्ध नहीं होती और हवा की गति भी समान नहीं रहती। ऐसे में सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। बैटरी आधारित ऊर्जा भंडारण इस चुनौती का महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।जब नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन अधिक होगा, तब अतिरिक्त बिजली को संग्रहित किया जा सकेगा और आवश्यकता के समय उसका उपयोग किया जा सकेगा। इससे ग्रिड में लचीलापन आएगा और बिजली की आपूर्ति को अधिक स्थिर बनाने में मदद मिलेगी। बीईएसएस की 50 जी डब्ल्यू एच क्षमता केवल ऊर्जा भंडारण का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती ऊर्जा व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी है। पीक आवर में बिजली की बढ़ती मांग, ग्रिड में संभावित कंजेशन और नवीकरणीय ऊर्जा की अनियमित उपलब्धता जैसी चुनौतियों से निपटने में यह व्यवस्था उपयोगी होगी। विशेष रूप से उस समय जब सौर ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती, संग्रहीत ऊर्जा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III को वित्तीय वर्ष 2032-33 तक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 1,36,378 करोड़ रुपये इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास के लिए और लगभग

50,000 करोड़ रुपये 50 GWh बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए निर्धारित हैं। योजना के अंतर्गत कुल 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रावधान है। यह सहायता इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन शुल्क को कम करने में मदद करेगी, जिसका सीधा संबंध बिजली की लागत से है। इसका अंतिम लाभ बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचने की संभावना है।इस योजना की कार्यान्वयन व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के अंतर्गत आने वाली ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से लागू किया जाएगा। वहीं ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन और नेटवर्क को मजबूत करने से जुड़े कार्य कॉस्ट प्लस बेसिस पर किए जाएंगे।राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज समग्र कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भूमिका निभाएंगी,जबकि ट्रांसमिशन सर्विस प्रोवाइडर्स बिल्ड-ओन-ऑपरेट-मैनेटेन मॉडल के तहत प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में भाग लेंगे। इससे परियोजनाओं के निर्माण के साथ उनके दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III का महत्व केवल बिजली क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव ऊर्जा, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र तक पहुंचेंगे। बड़े पैमाने पर ट्रांसमिशन नेटवर्क के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के निर्माण और उपयोग से घरेलू ऊर्जा भंडारण उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा।इसके साथ ही संचालन, रखरखाव और आधुनिक ग्रिड प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक कुशल रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।यह योजना भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा लक्ष्यों से भी जुड़ी हुई है। 2035 तक 900 गीगावॉट स्थापित गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उसके साथ मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क और पर्याप्त ऊर्जा भंडारण क्षमता भी

आवश्यक होगी। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्लक इन दोनों आवश्यकताओं को एक साथ संवोधित करता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।भारत आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा को अलग- अलग नहीं देखा जा सकता। बढ़ती अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ता औद्योगिक उत्पादन, शहरीकरण और डिजिटल अर्थव्यवस्था बिजली की मांग को लगातार बढ़ा रहे हैं। ऐसे में देश को ऐसी ऊर्जा व्यवस्था चाहिए जो पर्याप्त होने के साथ स्वच्छ, विश्वसनीय और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ मजबूत ट्रांसमिशन और ऊर्जा भंडारण इसी दिशा में आधारभूत आवश्यकता बन चुके हैं। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इसी बदलती आवश्यकता के अनुरूप भारत के ऊर्जा ढाँचे को नई दिशा देता दिखाई देता है। 135 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण की क्षमता, 50 जी डब्ल्यु एच ऊर्जा भंडारण और 1,86,405 करोड़ रुपये का कुल निवेश देश की ऊर्जा संरचना के व्यापक विस्तार का संकेत है। इसका उद्देश्य केवल आज की बिजली जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा देश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बने।ऊर्जा आत्मनिर्भरता, हरित विकास और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा अब उत्पादन से आगे बढ़कर संचरण और भंडारण के चरण में पहुँच रही है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्लक इसी परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में जब देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मांग दोनों तेजी से विस्तार करेंगे, तब मजबूत ग्रिड, पर्याप्त भंडारण और व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भारत के विकास की नई ऊर्जा रीढ़ बन सकती है। यही वह आधार है, जिस पर स्वच्छ ऊर्जा से समर्थ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-संतुलित भारत की तस्वीर आकार ले रही है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था



उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें। ल्योहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार



से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपराणयता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारी होती है कि फलां कारोबारी आटे में पत्थर का संफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दाने फेंट रहा है, दवाओं के सैपल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब विक्रि रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के

साथ तंत्र में भी पैठी हुई है। सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरु में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लाॅ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है। चीन में दूध नियमों का उल्लंघन करने, घंटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली

कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुमाना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों को भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुमाने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है। इस कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक ब्रेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुमाने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोक जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

गर्भवती महिला, किशोरी और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं समुचित विकास पर विशेष ध्यान दें

बिलखेत में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी मिलन समारोह आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बुधवार को जनपद पौड़ी गढ़वाल के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर पात्र लाभार्थियों को पोषण किट एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

कल्जीखाल ब्लॉक की न्याय पंचायत बिलखेत के प्राथमिक विद्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय ऑर्गेनिक लाइट खाद्य सामग्री से रंगोली व पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई।



कार्यक्रम में दो लाभार्थी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, चार गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण किट तथा चार किशोरियों को टी-शर्ट वितरित की गई। इस दौरान चार गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि भाजपा की महिला मोर्चा जिला मंत्री रजनी मौर्या ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुमित्रा देवी, शशि देवी, सरोजनी देवी, अनिता देवी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीडीपीओ सुभमा रावत द्वारा केंद्र व राज्य की विभिन्न योजनाओं,

पात्रता एवं लाभ की जानकारी दी गई। पीएलवी जगमोहन डोंगी ने घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर की विधिक सहायता एवं कानूनी सेवाओं की जानकारी दी। बाल विकास कल्जीखाल की सुपरवाइजर माया राणा ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं समुचित विकास पर विशेष ध्यान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंजू देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य

बिलखेत प्रिया देवी, प्रधान अध्यापिका पूर्णिमा जैरवाण, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सीमा देवी, सुनीता देवी, उदय राणा, गोपाल कुमार आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन पीएलवी जगमोहन डोंगी ने किया।

सड़क पर 20 साल नहीं बिछा डामर, पुल निर्माण घोषणाओं तक सीमित



उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय से सटे दिलसौड़ गांव के ग्रामीणों के लिए सड़क का निर्माण किया गया लेकिन पिछले 20 वर्षों में उसका डामरीकरण नहीं हो पाया। साथ ही उस पर सन्निर भूस्खलन जोन हमेशा खतरा बना है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव को जोड़ने के लिए भागीरथी पुल के निर्माण की मांग की थी। उस पर वर्ष 2016 में मुख्यमंत्री ने घोषणा की लेकिन उस पर भी अभी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो पाई है। इसलिए

ग्रामीणों को हर दिन आवाजाही में खतरा बना रहता है। इस समस्या को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे दिलसौड़ गांव के लोगों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से वह उनके गांव तक पहुंचने के लिए सुरक्षित आवाजाही की मांग कर रहे हैं लेकिन आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार, ग्राम प्रधान अनुरूप चमोली, बीडीसी सदस्य तेजेंद्र गुसाईं, विजयपाल महर, अनिता देवी आदि का कहना है कि वर्ष 2006–07 में उनके गांव के लिए मनेरो से दो किमी सड़क का निर्माण किया गया लेकिन उस पर अभी तक डामरीकरण नहीं हुआ है। साथ ही सड़क पर जगह-जगह सन्निर भूस्खलन के कारण हल्की सी बारिश में पथर गिरने का भय बना रहता है। ग्रामीणों ने पुल की मांग की तो उस पर 2016 में सीएम की घोषणा में शामिल कर प्रथम चरण की स्वीकृति भी मिली लेकिन सर्वे से आगे बात नहीं बढ़ पाई। अब ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही उनके लिए पुल निर्माण प्रक्रिया और तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ट्रॉली नहीं लगाई जाती है तो उनको आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, वाम दलों का प्रदर्शन

गोपेश्वर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के लिए वाम दलों के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाए रखने की मांग की। वाम दलों के नेताओं ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों के बीच उठ रहे सवाल का जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शन में सीपीएम के जिलामंत्री मदन मिश्रा, सीपीआई के जिला मंत्री भरत सिंह कुंवर, महेशानंद जोशी, पूरण सिंह बुटोला, ज्ञानेंद्र खंतवाल, मोना बिष्ट, अमित कुमार, गीता बिष्ट, संगीता देवी, प्रियंका ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के तत्वाधान में ऐकडेमिक सेंटर चौरास परिसर में हिमालय है तो हम हैं शीर्षक पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रो. आर.के. मेखुरी ने हिमालय की जैव विविधताएं, प्राकृतिक संपदा एवं पर्यावरणीय परिवर्तनों पर विचार रखते हुए सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जोर दिया। मुख्य अतिथि चंदन सिंह बिष्ट ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

संगोष्ठी में डॉ. कविता भट्ट ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत किया। कविता ने वैदिक ऋचा का संदर्भ देते हुए बताया कि हिमालय से ही हिन्दुस्थान का अस्तित्व और विशिष्ट पहचान है।



डॉ. धीरज कुमार शर्मा ने संगोष्ठी के उद्देश्य एवं हिमालय संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. हरिभजन सिंह चौहान ने हिमालय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक

महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विजयविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रेवानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर एम.एस. पंवार ने युवा पीढ़ी से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्रो. महावीर सिंह नेगी ने हिमालयी क्षेत्र और वहां के लोगों के सामने बढ़ते पर्यावरणीय संकट की ओर ध्यान आकर्षित किया। संगोष्ठी में हिमालय के सतत संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए इसकी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का संदेश प्रमुखता से उभरा।

एक नजर

सेवा संकल्प अभियान में दिखी डीएलएड प्रशिक्षुओं की प्रतिभा

बड़कोट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट में सेवा संकल्प अभियान के तहत डीएलएड प्रशिक्षुओं के लिए चित्रकला, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए सामाजिक सरोकारों, राष्ट्र निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक सोच एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने कहा कि सेवा संकल्प समाज के प्रति दायित्वों की समझने और उन्हें व्यवहार में उतारने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम समन्वयक गोपाल सिंह राणा ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रशिक्षुओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति क्षमता को निखारने के साथ उनमें सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों की भावना मजबूत करती हैं। इस अवसर पर हेमू बिष्ट, टीकाराम सिंह रावत, रिचा उनीयाल, सुशील जोशी, बबीता सजवाण, बृजेश मिश्रा, मो. अरशद अंसारी, सत्या चमोली आदि मौजूद रहे।

बेस अस्पताल संघर्ष समिति का गांव चलो अभियान शुरू

कर्णप्रयाग। 11 अक्टूबर से शुरू होने वाली पद यात्रा के लिए बेस अस्पताल संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने चांदपुर क्षेत्र के गांवों में बैठकें शुरू कर दीं। ग्रामीणों ने एकजुट होकर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग के लिए समर्थन देने की बात कही।संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सिमतोली, ऐरवाड़ी, घंडियाल, बसकाली, सेनू आदि गांवों में भी बैठकें कीं। इन बैठकों में ग्रामीणों से पदयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया गया। नेगी ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक, सीएम और स्वास्थ्य सचिव के आश्वासनों के तीन माह बाद भी शासनादेश जारी नहीं हुआ। ऐरवाड़ी की प्रधान नीतू देवी और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों ने पदयात्रा का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि नवरात्र में माता चंडिका की पूजा-अर्चना के बाद पदयात्रा शुरू होगी। सैकड़ों ग्रामीण सिमली से देहरादून तक इस यात्रा में शामिल होंगे। इस मौके पर जयदीप गैरोला, अनसुया प्रसाद नैनवाल, भजन सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

सेवानिवृत्ति पर कर्नल रावत को दी विदाई

गोपेश्वर। एनसीसी वन यूके बटालियन गोपेश्वर के कमान अधिकारी कर्नल राजेश रावत बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। एनसीसी गोपेश्वर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें विदाई दी गई। कर्नल रावत ने कहा कि जीवन में सिर्फ नौकरी करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए। खुद के प्रयासों से भी बेहतर कार्य किए जा सकते हैं। उन्होंने एनसीसी कमान अधिकारी का दायित्व कर्नल सौरभ को सौंपा। कर्नल सौरभ अभी तक चमोली में प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर कार्य कर रहे थे।

जिला अस्पताल में ईएनटी विशेषज्ञ नहीं होने लोग परेशान

ईं टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में कान,नाक,गला रोग (ईएनटी) विशेषज्ञ न होने से मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उपचार के लिए मरीजों को नरेंद्रनगर,ऋषिकेश और देहरादून का रूख करना पड़ रहा है है। ईएनटी विशेषज्ञ की कमी से जुझ रहे जिला अस्पताल में कान, नाक और गले को सामान्य बीमारी होने पर भी मरीजों को उपचार के लिए करीब 45 से 100 किलोमीटर दूर नरेंद्रनगर, ऋषिकेश और देहरादून का जाना पड़ता है। गत तीन वर्ष पूर्व ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर दीपति रानी ने अस्पताल में पद भार ग्रहण किया था लेकिन कुछ ही समय बाद ही डॉक्टर पीजी करने चली गईं।

अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टर की अनुपस्थिति चलने पर उन्हें पत्र भेजकर पदभार ग्रहण करने को कहा गया लेकिन डॉक्टर की ओर से कोई जवाब नहीं मिला और न ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया।

धराली गांव में दिखे तीन भालू एक साथ, लोग दहशत में



उत्तरकाशी। हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव के आसपास एक साथ तीन भालू घूमते दिखाई दिए जिससे लोग दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भालू दिन में ही बस्ती के आसपास दिख रहा है। आजकल सेब के पेड़

फलों से लकड़क हैं। भालू बगीचों में पहुंचकर फलों के साथ पूरे पेड़ को तोड़कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जल्द ही भालुओं को पकड़ने की मांग की है।

ग्राम प्रधान अजय नेगी ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से गांव के आसपास तीन भालू एक साथ घूम रहे हैं। वह दिन में ही आवासीय बस्ती के समीप पहुंच रहे हैं। इससे ग्रामीणों के साथ चारधाम यात्रियों के लिए हमले का खतरा बना हुआ है। बताया कि बीते मंगलवार को तीन भालू एक साथ पुराने गांव की ओर आ धमके। इससे वहां पर मौजूद ग्रामीणों व यात्रियों में भय का माहौल बन गया। नेगी ने कहा कि इस बार सेब का उत्पादन अच्छा होने से आपदा के बाद लोगों ने राहत की सांस ली थी लेकिन अब भालुओं के कारण उन्हें सेब का नुकसान उठाना पड़ रहा है। भालू फल के साथ ही पेड़ तोड़कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। साथ ही इन दिनों लोगों की रजमा सहित फाफरे की फसल भी खेतों में तैयार है।

पिपली, डिबनू और भैलुंता के विद्यालयों का होगा पुनर्निर्माण कार्य

नई टिहरी। प्राथमिक विद्यालय पिपली, डिबनू और भैलुंता के जीर्णोद्धार भवनों का नव निर्माण होने की उम्मीद जगी है। तीनों विद्यालयों के भवनों के निर्माण को शासन ने 93.86 लाख की धनराशि जारी कर दी है।

चंबा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पिपली और डिबनू तथा प्रतापनगर के भैलुंता प्राथमिक विद्यालय का भवन पुराने होने के कारण जर्जर बने हैं। भवनों की स्थिति खराब होने से छात्र-छात्राओं का पठन पाठन बाधित होने के साथ शिक्षकों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावक के साथ ग्रामीण लंबे समय से भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण की गुहार लगा रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य बागी दर्शनी रावत ने बताया उनके गांव

पिपली का विद्यालय भवन का निर्माण करीब 25 वर्ष पूर्व हुआ था लेकिन मरम्मत के अभाव में विद्यालय की खस्ताहाल हो गई। बारिश में विद्यालय की छत से कमरों में पानी टपकने से छात्रों का पठन पाठन बाधित होता है। पानी आने से विद्यालय में रखा सामान खराब होने की आशंका बनी रहती है। विद्यालय में वर्तमान में 15 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कई बार विद्यालय की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए पत्राचार किया किया लेकिन बजट के अभाव में भवन का कार्य नहीं हो पाया। बताया डिबनू का प्राथमिक विद्यालय के भवन की स्थिति जर्जर बनी है। दोनों विद्यालय का पुनर्निर्माण किया जाना आवश्यक है।

कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका

नरेंद्रनगर (टिहरी)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नरेंद्रनगर बाजार में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ प्रदर्शन कर उनका पुतला फूँका। पूर्व विधायक ओम गोपाल रावत ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इशारों पर मुख्य चुनाव आयुक्त निर्वाचन प्रक्रिया को बाधित करने के काम में लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व से ही वोट चोरी के मुद्दे को मुखरता से उठा रहे हैं। चुनाव आयुक्त डॉ. संधू और डॉ. विवेक जोशी ने गत 10 माह में 14 बार मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर चुनावों और एसआ-ईआर में मतदाताओं को जोड़ने वाले फार्म 6 में गडबडियों के खिलाफ शिकायत की लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनकी बात नहीं सुनी। जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद से त्याग पत्र नहीं दे देते कांग्रेस का प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र कंछारी, जिलाध्यक्ष उतम सिंह असवाल,



सूरत सिंह आर्य, अनिल रावत, दिनेश सकलानी, जवर सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह राणा मौजूद थे।

सेवा पखवाड़े के तहत विद्यालयों में आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र समेत जिले के विभिन्न विद्यालयों में चित्र एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना को कागज पर उकेरा। राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार के अलावा दुगड्डा, जयहरीखाल, यमकेश्वर, रिखणीखाल, बौराखाल, द्वारिखाल और नैनीडांडा विकासखंडों के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। चित्रों और निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश के भविष्य को लेकर अपने विचार और सपने प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में पहुंची विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विद्यार्थियों की रचनाओं का अवलोकन किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच ही भविष्य में देश को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर मिल रहा है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होने के साथ ही राष्ट्र निर्माण के संकल्प को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर महापौर शैलेंद्र रावत, जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, प्रधानाचार्य मुकेश सिंह रावत समेत राजेंद्र जजेडी, उमदेय सिंह बिष्ट, मोहन सिंह नेगी, जितेंद्र नेगी, पद्मेश बुडकोटी, अमिताभ अग्रवाल, रजत भट्ट, राकेश मित्तल, कृष्ण दत्त भदोला, कुलदीप बडोला, निर्मला और संजय रावत सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नंदप्रयाग संगम पर अलकनंदा में बहा श्रद्धालु



चमोली। नंदप्रयाग संगम पर में बुधवार को हादसा हो गया। तर्पण व पिंडदान करने पहुंचे तिमलनाडु के श्रद्धालुओं का एक साथी नदी से जल लेंते वक्त अचानक पांव फिसलने से अलकनंदा की तेज धारा में बह गया। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ व पुलिस टीम मौके

पर पहुंची। तीर्थयात्री की काफी दृढ़खोज की गई, मगर उसका कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि संगम पर तिमिलनाडु व कर्नाटक के करीब 70 श्रद्धालु तर्पण करने पहुंचे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे तिमलनाडु निवासी गुरु प्रसाद (40) पुत्र वेंकट रमन भी अपने पिता के तर्पण के लिए पहुंचा था। उनकी चूड़ माता चलने में असमर्थ होने के कारण वाहन में ही बैठी थीं। गुरु प्रसाद तर्पण करने के बाद घर के लिए एक पात्र में गंगा जल लेने नदी किनारे पहुंचा तो अचानक पांव फिसलने के कारण वह नदी में बह गया।

चमोली। नंदप्रयाग संगम पर में बुधवार को हादसा हो गया। तर्पण व पिंडदान करने पहुंचे तिमलनाडु के श्रद्धालुओं का एक साथी नदी से जल लेंते वक्त अचानक पांव फिसलने से अलकनंदा की तेज धारा में बह गया। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ व पुलिस टीम मौके



पर पहुंची। तीर्थयात्री की काफी दृढ़खोज की गई, मगर उसका कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि संगम पर तिमिलनाडु व कर्नाटक के करीब 70 श्रद्धालु तर्पण करने पहुंचे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे तिमलनाडु निवासी गुरु प्रसाद (40) पुत्र वेंकट रमन भी अपने पिता के तर्पण के लिए पहुंचा था। उनकी चूड़ माता चलने में असमर्थ होने के कारण वाहन में ही बैठी थीं। गुरु प्रसाद तर्पण करने के बाद घर के लिए एक पात्र में गंगा जल लेने नदी किनारे पहुंचा तो अचानक पांव फिसलने के कारण वह नदी में बह गया।

चमोली। नंदप्रयाग संगम पर में बुधवार को हादसा हो गया। तर्पण व पिंडदान करने पहुंचे तिमलनाडु के श्रद्धालुओं का एक साथी नदी से जल लेंते वक्त अचानक पांव फिसलने से अलकनंदा की तेज धारा में बह गया। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ व पुलिस टीम मौके

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस

गोपेश्वर। मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों के लिए जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सेविकाओं ने पुराना पेट्रोल पंप से कलेक्ट्रेट तक जुलूस निकाला और प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे लंबे समय से मांगों के लिए आंदोलन कर रही हैं लेकिन शासन स्तर से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकारी योजनाओं के संचालन और विभागीय दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही हैं लेकिन इसके बावजूद उन्हें सम्मानजनक मानदेय नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने मानदेय में 140 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि करने, केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रतिदिन मानदेय



बढ़ाने का प्रस्ताव भेजने और बिना किसी सूचना दिए सेवानिवृत्त होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 10 लाख रुपये की धनराशि प्रदान करने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं

की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर आंगनबाड़ी संगठन की जिलाध्यक्ष कंशुप्री देवी, मंजू, कमला देवी, सुनीता बिष्ट, अंशू मनराल, अनिता, रजनी, उमा, दर्शनी, दीपा और राखी चंदोला आदि मौजूद रहे।

आपदा और सामरिक दृष्टिकोण से अहम, फिर भी बदहाल एयरपोर्ट

चिन्वालीसौड़। जिले में आपदा और सामरिक जरूरतों के लिहाज से अहम चिन्वालीसौड़ हवाई अड्डा इन दिनों खुद बदहाली से जुझ रहा है। एयरपोर्ट को आपदा के समय राहत और बचाव अभियानों के साथ ही वायुसेना के उपयोग में लाया जाता है। वहां तैनात सुरक्षा और अग्निशमन कर्मियों के लिए बिजली-पानी जैसी सुविधाएं सुचारु नहीं हैं। उस से परिसर में उगी घनी झाड़ियां गुलदार के खतरे को बढ़ा रही हैं। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल में एयरपोर्ट परिसर में रह रहे एक पालतू कुत्ते को गुलदार ने मार

दिया। इसके बाद यहां तैनात कर्मचारियों में डर का माहौल है। झाड़ियों की सफाई नहीं होने से परिसर में वन्यजीवों की आवाजाही का खतरा बना है। वर्ष 2023 में केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत चिन्वालीसौड़ से देहरादून के सहस्रधारा हेलिपैड तक हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की गई थी। करीब तीन साल तक संचालित होने के बाद सेवा बंद हो गई। अब एयरपोर्ट पर अग्निशमन विभाग, युकाडा और पुलिस के सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। वायुसेना और आपदा के दौरान ही इसका इस्तेमाल होता है जबकि सामान्य दिनों में एयरपोर्ट लगभग वीरान है।

संक्षिप्त

समाचार

इतालवी शोधकर्ता की हत्या के 10 साल बाद तीन अफसरों को जेल

रोम , एजेंसी। रोम की एक अदालत ने सोमवार को इतालवी शोधकर्ता गिउलिओ रेगेनी के अपहरण के मामले में तीन मिस्र के सुरक्षा अधिकारियों को 10 साल कैद की सजा सुनाई। एक चौथे आरोपी को हत्या के आरोपों से बरी कर दिया गया। यह फैसला रेगेनी की मौत के मामले में जवाबदेही की दशक भर की खोज में महत्वपूर्ण न्यायिक मील का पत्थर है। मुख्य अभियोजक फ्रांसेस्को लो वोई ने मिस्र के सहयोग के अभाव में भी इस परिणाम का स्वागत किया। 28 वर्षीय रेगेनी 25 जनवरी, 2016 को काहिरा में गायब हो गए थे। वह मिस्र में स्वतंत्र ट्रेड यूनियनों पर शोध कर रहे थे। नौ दिन बाद उनका शव काहिरा के बाहरी इलाके में यातना के निशान के साथ मिला। हिशाम हेल्मी, अंतहर कामेल मोहम्मद इब्राहिम और मगदी इब्राहिम अब्देलाल शरीफ को अपहरण का दोषी पाया गया, तारिक शबीर बरी हुए। यह मामला इटली और मिस्र के संबंधों में एक विवादस्पद मुद्दा बन गया था।

कांगो में इबोला के 8,000 से अधिक मामले, 3,901 मौतें, स्वास्थ्यकर्मों संकट में

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि कांगो में इबोला वायरस के पुट मामले 8,000 से अधिक हो गए हैं, क्योंकि देश में इस जानलेवा बीमारी को रोकने के लिए स्वास्थ्यकर्मों कम पड़ रहे हैं। यह कांगो का 17वां और सबसे घातक प्रकोप है। कांगो ने 15 मई को दुर्लभ बर्डिबुर्यो वायरस के प्रकोप की घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर तक 8,067 मामले और 3,901 मौतें दर्ज हुईं, मृत्यु दर 48 फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने समुदाय में उच्च मृत्यु दर पर चिंता जताई। सप्ताहारी पाटी यूडीपीएस के अधिकारी मैरी-सेलेस्टिन करोंडवा पर रविवार को इबोला उपायों का बचाव करने पर हमला हुआ। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने बताया कि इबोला से अन्य आवश्यक सेवाओं पर भी असर पड़ा, जैसे इटुरी प्रांत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अप्रैल से जून के बीच 13 फीसदी कम हो गईं। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, 50 स्वास्थ्यकर्मों मारे गए। डब्ल्यूएचओने कहा कि मौजूदा प्रकोप 2014-2016 के पश्चिम अफ्रीका क्षेत्रीय प्रकोप को पीछे छोड़ने वाला है।

नवंबर के मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी सैन्य बलों का इस्तेमाल, चुनाव प्रणालियों की रक्षा में लगेगी इयूटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि नवंबर के मध्यावधि चुनावों के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और अन्य सैन्य खुफिया व साइबर सुरक्षा बल चुनाव प्रणालियों की रक्षा करेंगे। सैन्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ 2017 से चुनाव उपकरणों को ‘महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा’ नामित किए जाने के बाद से प्रणालियों की निगरानी और संभावित हैकरों को रोकने में मदद करते रहे हैं। सोमवार को हेगसेथ की यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनाव बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए बनाई गई नगरिक एजेंसी को खत्म करने के बाद आई। उस एजेंसी ने पिछले सप्ताह एक चुनाव बुनियादी ढांचा सुरक्षा योजना जारी की थी। ये दोनों घोषणाएं 3 नवंबर को चुनाव दिवस से कुछ ही सप्ताह पहले आई हैं। षष्ठ्रादस षष्ठ्रादस ने इसे ‘केवल दिखावा’ बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने 2025 की शुरुआत में अपने विशेषज्ञों को हटा दिया था। कई विशेषज्ञ ट्रंप प्रशासन द्वारा मतदान में हस्तक्षेप के संकेतों पर नजर रख रहे हैं। ट्रंप चुनावों में धोखाधड़ी के झूठे दावे करते रहते हैं।

रुसः पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 13 लोगों की मौत

मस्को, एजेंसी। रुस के यारोस्लाव क्षेत्र में सोमवार को पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने से 13 लोगों की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने आग ने सेवाओं के हवाले से यह जानकारी दी। आग ने पेरैस्लाव-जालेन्की शहर के पास एक गांव में दो इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। क्षेत्रीय गवर्नर मिखाइल एवरयेव ने बताया कि आग बुझाने के लिए करीब 100 आपातकर्मों लगाए गए। अधिकारियों ने औद्योगिक सुरक्षा नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर आपराधिक मामला दर्ज किया है।

माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की प्रक्रिया बताया। अमेरिका और चीन के रिश्तों पर चर्चा के बाद उन्होंने कहा, ‘बाकी की दुनिया अपने इंतजाम करने में व्यस्त है।’

विदेश मंत्री ने कहा कि पुराने अलायंस कमजोर हो रहे हैं और सबसे शक्तिशाली देश अकेले फैसले लेने की ओर ज्यादा बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों के बीच नजदीकी बढ़ सकती है, लेकिन उनके बीच की प्रतिस्पर्धा की वजह से वे बाकी दुनिया के लिए ज्यादा कुछ तय नहीं कर पाएंगी। उन्होंने कहा कि इस होड़ से बाहर के देश अपने समाधान

अंतरराष्ट्रीय मामला: मादुरो को हटाते ही वेनेजुएला ट्रंप के लिए सोने की खान, 20% कट से स्थानीय गैँस की भी मौज

न्यूयॉर्क , एजेंसी। इसी वर्ष मार्च की शुरुआत में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला में सैन्य हस्तक्षेप और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की अपनी कामयाबी का जश्न मना रहे थे, तब व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में एक बेहद गोपनीय बैठक हुई। इसमें अमेरिकी इंटीरियर सेक्रेटरी डग बर्मा के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कर्मांडोटी ट्रेडिंग कंपनियों में शुमार ट्रेफिगुरा के सीईओ रिचर्ड होल्मेन पहुंचे थे। उनके हाथ में एक अजीबो-गरीब तोहफा था, वेनेजुएला से लाई गई सोने की 10 चमचमाती सिल्लियां।

ट्रंप ने कभी यह कहकर इस सोने को प्रतिबंधित कर दिया था कि यह पर्यावरण को जहरीला बनाता है, लोगों का खून चूसता है और अपराधियों व भ्रष्ट सैन्य अफसरों की जेब भरता है। लेकिन अब मादुरो के हटते ही यह अमेरिका की नई विदेश नीति का सबसे बड़ा खजाना बन गया। उसी दिन ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला की सरकारी खनन कंपनी मिनरवेन (जिसे अमेरिका खुद कभी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित कर चुका था) से सोना आयात करने की विशेष छूट दे दी। लेकिन ट्रंप के इस गोल्ड रश के पीछे खौनाक दलदल है। अमेरिकी कंपनियों द्वारा निकाला जा रहा यह सोना उन खदानों से आ रहा है जो वेनेजुएला के कुख्यात हिंसक गिरोह ट्रैन डी गुआयाना के रहमोकरम पर चलती



हैं। इसके पूरे खेल में स्थानीय गैँस की मौज हो गई है जिन्हें 20% तक कट मनी (रंगदारी) मिल रही है।

हक की बात करने वाले मजदूरों को धमकी : वेनेजुएला का मुख्य खनन हब अल काल्लाओ में होता हो जो दुनिया के सबसे हिंसक और भ्रष्ट इलाकों में गिना जाता है। खनन कंपनियों के दफ्तरों में आज भी दर्जनों सैन्य अधिकारी तैनात हैं। जब मजदूर अपने हक की मांग करते हैं, तो उन्हें आतंकवाद के झूठे मामलों में फंसेाने और नौकरी से निकालने की धमकियां दी जाती हैं।

अल सिस्तेमा के बिना अमेरिका नहीं पहुंचती खेप : खदानों में काम करने वाली स्थानीय मजदूरों की सहकारी कमेटियों के मुखियाओं ने खुलासा किया कि हर महीने निकाले जाने वाले कुल सोने का 20% हिस्सा सीधे स्थानीय अंडकलेंड गैंग ट्रैन डी गुआयाना को जाता है। इलाके में इस रंगदारी को



बाकायदा अल सिस्तेमा कहा जाता है। अवैध ब्रिगेड से जुटाया गया सोना सरकारी कंपनी मिनरवेन के पास पहुंचता है, जिसे ट्रेफिगुरा को बेचे जाने वाले सोने के साथ ही एक ही भट्ठी में पिघला दिया जाता है। यानी अमेरिकी विमानों से वाशिंगटन पहुंच रहे सोने में सीधे तौर पर हिंसक गैंगस्टर की सलिप्तता होती है।

अमेरिकी कंपनियां खदानें हथियाने में जुटीं : ट्रेफिगुरा ने सरकारी कंपनी मिनरवेन के साथ साल भर का एग्रीमेंट किया, जिसके तहत हर महीने करीब 400 किलोग्राम सोना अमेरिका ले जाया जाने लगा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मानकों और कानूनी दायित्वों के डर से यह पूरी डील अधर में लटक गई। ट्रेफिगुरा के बाद अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म हीनी कैपिटल और कर्मांडोटी दिगज मर्क्युरिय ने खुली खदानों से सालाना 2.2 बिलियन डॉलर (करीब 20,900 करोड़

रुपये) का खनिज निर्यात करने का नया सौदा किया है, जो पर्यावरण को और तबाह करने और माफिया सिंडिकेट को बढ़ावा देने का नया जरिया बन सकता है।

नियम ताक पर रखकर भेज दी गई खेप : वैसे तो नियमों के तहत यह प्रमाणित होना जरूरी था कि सोना अपराध, मानवाधिकार हनन या पर्यावरण विनाश से मुक्त है। लेकिन रिस्क कंसल्टेंट्स के खदानों पर पहुंचने से पहले ही सोने से भरे चार्टर्ड विमान अमेरिका रवाना कर दिए गए। वाशिंगटन स्थित एंटी-करणशन संगठन फैक्ट कोएलिशन की जुलिया यानसुरा के मुताबिक, 90 फीसदी सोना आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा है। नतीजतन, 100 मिलियन डॉलर का सोना आज अमेरिकी वेयरहाउसों में बिना रिफाइन अटका पड़ा है।

कैसे वेनेजुएला की अकूत संपदा कब्जा रहे ट्रंप : मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद कच्चे तेल के निर्यात पर नियंत्रण किया गया। प्रतिबंधों को दरकिनार कर पसंदीदा अमेरिकी कंपनियों को गोपनीय परमिट दिए गए। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर थे, तब सोने की खदानें खोली गईं। अल चोको खदान में प्रोसेसिंग प्लांट बना रही ईरानी कंपनी एस्पादाना को खदेड़ा गया। ईरानी मशीनों सीज कर अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फंड हीनी कैपिटल को खदान सीपी गई।

ट्रंप प्रशासन को झटका: अदालत ने राज्यों से चुनाव संबंधी फंडिंग रोकने पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में एक संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अधिकारों पर एक बार फिर रोक लगाई है। यह अधिकार उन राज्यों से कुछ संघीय आतंकवाद विरोधी फंडिंग रोकने से संबंधित था, जो चुनाव प्रशासन की मांगों को पूरा नहीं करते थे। अदालतों ने बड़े पैमाने पर मतदान धोखाधड़ी के झूठे दावों को दर्शाने वाले प्रशासन के पिछले प्रयासों को बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने सोमवार को 24 पेज की राय में लिखा कि संघीय एजेंसियों के पास कांग्रेस से अनुदानों में ऐसी शर्तें जोड़ने का अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा कि ये शर्तें अंतर्निहित अनुदान उद्देश्य से संबंधित होने की कानूनी सीमा को पूरा नहीं करती थीं। गृह सुरक्षा विभाग या उसकी उप-एजेंसी, संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अनुदान की शर्तों का मामला देश में चुनाव कैसे संचालित किए जाते हैं इससे

जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन ने चुनाव से जुड़ी कार्रवाई की जो लंबे समय से राज्यों से जुड़ा मामला भी रहा है। मुकदमा दायर करने वाले राज्यों में-कोलंबस, ओहियो, नैशविले और डेविडसन काउंटी, टेनेसी, के अलावा एल पासो और हैरिस काउंटी, टेक्सास शामिल हैं। फेमा की आतंकवाद विरोधी अनुदान घोषणा में चुनाव से संबंधित जरूरतों की एक सूची भी शामिल है। इसमें ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि राज्यों और शहरी क्षेत्रों के लिए 20 फीसदी अनुदान तब तक रोक दिया जाएगा, जब तक वे उनका पालन नहीं करेंगे। कार्यक्रम में राज्यों और स्थानीय सरकारों के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक शामिल हैं। राज्यों के लिए वस्तुओं की सूची में सभी पंजीकृत मतदाताओं और चुनाव कर्मियों की नगरिकता का सत्यापन शामिल था। जो नष्ट वोटों की गिनती के लिए बारकोड या क्यूआर कोड का उपयोग करने वाले इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणालियों का उपयोग करते हैं। उन्हें हाथ से चिह्नित कागजी मतपत्रों पर स्विक करने की योजना प्रस्तुत करनी होगी।

ट्रंप ने ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने की रिपोर्ट का किया खंडन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया है, जिसमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने ईरान को परमाणु रियायतों के बदले प्रतिबंधों में ढील और फ्रीज किए गए फंड तक पहुंच की पेशकश की थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ‘एक्सियोस ने अभी एक खबर जारी की है कि ‘ट्रंप’ ने ईरान को प्रतिबंधों से राहत और फ्रीज किए गए फंड देने की पेशकश की। यह सच नहीं है। मैंने उन्हें कुछ भी ऑफर नहीं किया। एक्सियोस की खबर, अधिकतर दूसरी खबरों की तरह, एक झूठ है।’ ट्रंप ने मांग की है कि एक्सियोस ‘तुरंत’ इस खबर को वापस ले।

सिन्हूआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सियोस की यह खबर तब आई जब ट्रंप ने



सप्ताहांत में ईरान के युद्धविराम समझौते के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के शांति समझौते के प्रस्ताव में मांग की गई है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के बाकी हिस्से को फिर से खोलता है और अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करता है, तो अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए

प्रतिबंधों को हटाना होगा। ट्रंप के शांति प्रस्ताव को ठुकराने के जवाब में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि कूटनीति और युद्ध जारी रखने में से किसी एक को चुनना ‘राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर है’। अराघची ने कहा, ‘हम युद्ध फिर से शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम किसी भी नए हमले का डटकर सामना करने के लिए तैयार हैं, भले ही बात ‘क्यामत वाले युद्ध’ तक ही क्यों न पहुंच जाए।’ अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका संघर्ष खत्म कर दे, अपनी नाकेबंदी हटा ले, ईरान की संपत्ति जारी कर दे और देश को तेल बेचने की इजाजत दे दे, तो तेहरान अहम शिपिंग रूट (जलमार्ग) खोल देगा। अराघची ने रविवार को एनबीसी के कार्यक्रम ‘मीट द प्रेस’ में कहा, ‘हमारा



को उसके सामान्य रहने वाले देश में वापस भेजने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि अगर कोई अधिकारी जानबूझकर ऐसे कानून, सरकारी नियम या अदालत के आदेश को लागू नहीं करता, तो उसके खिलाफ वीजा कार्रवाई की जा सकती है। यानी अमेरिका अब ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों पर दबाव बनाने के लिए वीजा को एक हथियार

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने से 27 की मौत, चार लोग लापता

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई है कि 24 सितंबर से 28 सितंबर तक लगातार बारिश के कारण आई बाढ़, भूस्खलन, जलभराव, तेज हवाओं और बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं में नेपाल में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान चार लोग लापता हो गए और मॉनसून से जुड़ी 513 घटनाओं से 1,065 परिवार प्रभावित हुए। इन आपदाओं में 225 घर पूरी तरह और 137 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। सप्ताहस पशुशालाएं और 114 मशीनें भी प्रभावित हुए। सरकार की ओर से कहा गया कि उसने बचाव, राहत और पुनर्वास के प्रयासों को तेज कर दिया है और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत और सामान्य जीवन बहाल करने के लिए अपनी एजेंसियों को काम पर लगा दिया है। देश भर में बाढ़ और भूस्खलन से हाईवे और मुख्य सड़कों पर 147 जगहों पर नुकसान पहुंचा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इनमें से 125 जगहों की मरम्मत कर उन्हें फिर से खोल दिया गया है। पश्चिमी नेपाल में बेनी-जोमसोम, पाल्पा, बालुंग और नवलपरासी जिलों के कुछ हिस्सों में भूस्खलन, सड़क धंसने और पुल के एग्रोच (पुल तक पहुंचने वाले रास्ते) को नुकसान पहुंचने के कारण कालीगंडकी कॉरिडोर पर भी

यातायात बाधित हुआ है। अधिकारियों का अनुमान है कि सड़क को पूरी तरह बहाल करने में तीन दिन से ज्यादा का समय लग सकता है। बाढ़ से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। कालीगंडकी, मार्स्यांगडी और सेती-माडी नदी कॉरिडोर में राष्ट्रीय ट्रांसमिशन सिस्टम के जरिए कुल 1,013.2 मेगावाट बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिवलेशन एंड मैनेजमेंट ऑथॉरिटी के अनुसार, बीते महीने 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भोटेकोशी और त्रिशूली नदी कॉरिडोर पर बने लगभग एक दर्जन पनबिजली प्रोजेक्ट भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस बाढ़ में 1,400 से ज्यादा लोगों की जान चली गई और लगभग 5,000 लोग लापता हो गए थे। सरकारी बिजली कंपनी, नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (एनईए) ने कहा कि वह आने वाले सर्दियों के मौसम में भारत से 1,100 मेगावाट से ज्यादा बिजली आयात करने की योजना बना रही है। सर्दियों में घरेलू बिजली उत्पादन में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है क्योंकि ‘रन-ऑफ-द-रिवर’ पनबिजली प्रोजेक्ट कम बिजली पैदा करते हैं। एनईए ने कहा कि जनवरी के बाद धोल् बिजली उत्पादन लगभग 1,218 मेगावाट रहने की उम्मीद है, ‘इसीलिए हमने बिजली सप्लाई को मैनेज करने के लिए आने वाले सूखे मौसम में भारत से 1,155 मेगा वाट बिजली इपोर्ट करने का प्लान बनाया है।

अमेरिका का सख्त संदेश: विदेश में फंसे बच्चों की वापसी में देरी हुई तो किसका वीजा होगा बैन

के तौर पर इस्तेमाल करेगा। **किस अधिकारी पर हो सकती है वीजा कार्रवाई :** नई नीति में कई तरह के अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें दूसरे देशों के सरकारी अधिकारी, जज, अदालत से जुड़े अधिकारी और पुलिस या कानून लागू कराने वाले अधिकारी शामिल हैं। अगर इनमें से कोई व्यक्ति जानबूझकर बच्चे को उसके सामान्य देश में वापस भेजने की प्रक्रिया रोकता है या मामले को लटकाता है, तो अमेरिका उस व्यक्ति का वीजा रोक सकता है।

इतना ही नहीं, उसके करीबी परिवार के सदस्यों पर भी वीजा प्रतिबंध लगाया जा सकता है। अमेरिका का कहना है कि ऐसे मामले में देरी होने से बच्चा लंबे समय तक अपने माता-पिता से दूर रहता है। अमेरिका के मुताबिक उसका मुख्य उद्देश्य

दूसरे देशों में ले जाए गए अमेरिकी बच्चों को सुरक्षित तरीके से वापस लाना है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बच्चों को उनके माता-पिता से दोबारा मिलाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग ऐसे मामलों को रोकने और बच्चों को जल्द वापस लाने के लिए पहले से काम करता है। अब नई वीजा नीति के जरिए उन लोगों पर भी दबाव बनाया जाएगा, जो बच्चे को वापस भेजने की प्रक्रिया में जानबूझकर रुकावट डालते हैं। अमेरिका का कहना है कि बच्चों और उनके परिवारों को लंबे समय तक अलग नहीं रखा जाना चाहिए। नई नीति का मुख्य निशाना केवल बच्चे को दूसरे देश ले जाने वाला माता-पिता नहीं है। इसका खास समय तक अपने माता-पिता से दूर रहता है। अमेरिका के मुताबिक उसका मुख्य उद्देश्य

स्पेसएक्स स्टारशिप: कक्षा तक पहली बार भरी उड़ान, स्टारलैंक के उपग्रह पहुंचाए;

सुरक्षा के कारण अवधि छोटी की गई

न्यूयार्क, एजेंसी। स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप ने सोमवार को (अमेरिकी समयानुसार) अपनी पहली कक्षीय उड़ान सफलतापूर्वक भरी। इसने सबसे उन्नत स्टारलैंक उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाया। हालांकि, सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ान को निर्धारित समय से छोटा रखा गया। टेक्सास से उड़ान भरने के तीन घंटे बाद अरबपति कारोबारी एलन मस्क की कंपनी का अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर के ऊपर पुनः प्रवेश कर हवाई के उतर में उतरा। कंपनी का लक्ष्य 10 घंटे की उड़ान का था, जिसमें पृथ्वी के छह पूरे चक्कर शामिल थे। स्पेसएक्स के स्टारशिप का उद्देश्य नासा के आर्टेमिस चंद्र कार्यक्रम के लिए अपनी तैयारी साबित करना था।

उड़ान के दौरान क्या कुछ हुआ : कंपनी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक स्टारशिप लैंड करने के साथ ही पलट गया और वे की लपटों में फिर गया, जिसे मिशन का नाटकीय अंत बताया गया। दरअसल, स्टारशिप के कक्षा तक पहुंचने से पहले ही इसका एक इंजन निर्धारित समय से पहले ही बंद हो गया। हालांकि, बाकी प्रणालियां ठीक से काम करते देख उड़ान नियंत्रकों ने पहले से निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ने के फैसला किया। थोड़ी देर बाद ही मिशन कंट्रोल ने ‘स्टारशिप कक्षा में स्थापित हुआ’ इसकी घोषणा की गई। वैज्ञानिकों ने तालियां बजाकर एक दूसरे को बधाई दी। नासा प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने स्पेसएक्स को कक्षा में पहुंचने पर

दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि दुनिया एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका की बदलती नीतियों, चीन के साथ उसके संबंधों और व्यापार से जुड़ी पुरानी मान्यताओं के कमजोर होने के कारण सभी देश अपनी रणनीति में बदलाव कर रहे हैं। न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में बोलते हुए एस. जयशंकर ने कहा कि आज सभी सरकारें अपने जोखिम को कम करने, अपनी साझेदारियों में विविधता लाने और मौजूदा संबंधों से ज्यादा फायदा लेने के तरीके खोज रही हैं। उन्होंने इसे एक ज्यादा प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय

माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की प्रक्रिया बताया। अमेरिका और चीन के रिश्तों पर चर्चा के बाद उन्होंने कहा, ‘बाकी की दुनिया अपने इंतजाम करने में व्यस्त है।’ विदेश मंत्री ने कहा कि पुराने अलायंस कमजोर हो रहे हैं और सबसे शक्तिशाली देश अकेले फैसले लेने की ओर ज्यादा बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों के बीच नजदीकी बढ़ सकती है, लेकिन उनके बीच की प्रतिस्पर्धा की वजह से वे बाकी दुनिया के लिए ज्यादा कुछ तय नहीं कर पाएंगी। उन्होंने कहा कि इस होड़ से बाहर के देश अपने समाधान



खुद खोज रहे हैं। वे नए साझेदारों पर विचार कर रहे हैं, पुराने संबंधों को परख रहे हैं और खुद को किसी भी तरह की रुकावट से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। एस. जयशंकर ने आज की कूटनीति के केंद्र में मौजूद एक विरोधाभास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ देशों के बीच प्रतिस्पर्धा है और दूसरी तरफ गहरी आर्थिक निर्भरता भी

है। जब एक देश इस निर्भरता के जरिए बहुत हासिल कर लेता है, तो उसे दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करने का लालच भी बढ़ जाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ‘कूटनीति अब एक बहुत जोखिम भरा खेल बन गई है।’ उन्होंने कहा कि सरकारों को एक तरफ तो हाई-रिस्क फैसलों पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है और दूसरी तरफ लंबी बातचीत के लिए धैर्य भी रखना पड़ता है। विदेश मंत्री ने भौगोलिक, वित्तीय, यात्रा और बाजार तक पहुंच से जुड़े ‘चोक पॉइंट्स’ को उदाहरण के तौर पर बताया, जिनके जरिए देश एक-दूसरे पर दबाव बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार

व्यवस्था की बुनियाद वाली मान्यताएं समय के साथ कमजोर हुई हैं, क्योंकि कई तरह की प्रथाएं बाजार के सिद्धांतों से अलग रही हैं। एस. जयशंकर ने कहा कि अमेरिका अब व्यापार को लेकर एक अलग रास्ता अपना रहा है, जिसमें अलग-अलग साझेदारों के साथ व्यक्तिगत डील की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से नए समझौते और नए रिश्ते बन सकते हैं, हालांकि एक नया पैटर्न बनने में समय लगेगा। भारत के बारे में उन्होंने कहा कि वह अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन, रूस, खाड़ी देशों, आसियान और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाकर

चलेगा। उन्होंने इस रणनीति को ‘पोर्टफोलियो मैनेजमेंट’ जैसा बताया। उन्होंने कहा कि बड़े व्यापारिक देशों के पास भरोसेमंद साझेदार और स्थिर माहौल खोजने के मजबूत कारण हैं, भले ही किसी खास समझौते में तुरंत फायदा थोड़ा कम ही क्यों न मिले। एस. जयशंकर ने कहा, ‘मैं दुनिया को लेकर निराशावादी नहीं हूँ।’ उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता के इस दौर से गुजरते हुए देश नए समझौते करेंगे। उन्होंने इस धारणा की भी खारिज किया कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक नियमों के कमजोर होने के पीछे अकेले अमेरिका है।



नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और ‘ताल’ का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

- नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून**
- नैनिताल नैना झील :** यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बतखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
 - नैना देवी मंदिर :** इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
 - हिल स्टेशन :** बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
 - प्राणी उद्यान नैनिताल :** पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
 - हनुमानगढ़ी नैनिताल :** यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है। इसके अलावा गवर्नर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

- माता पार्वती है नंदा देवी:** उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
- गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन:** नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटाी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने



अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

- अल्मोड़ा हिल स्टेशन**
- अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूतागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
 - अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
 - अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
 - अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविध्वंसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
 - अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

ससुराल यानी केलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।

- सबसे ऊंची चोटी:** नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
- 12 वर्ष में एक बार यात्रा:** नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कूल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
- हिमालयी कुंभ:** चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
- आदि शंकराचार्य ने की थी यात्राश की शुरुआत:** नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
- यात्रा का प्रारंभ और अंत:** नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

- अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
- अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
- अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
- अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
- अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादूर और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

की ऊंचाई पर स्थित है।

- रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा:** इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
- 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में :** इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
- यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाड़:** इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाड़ (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाड़ आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।



देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

- भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें**
- गोवा : समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
 - चंबा : उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
 - दार्जिलिंग : ‘क्रीन ऑफ हिल्स’ के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
 - शिमला : शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
 - ऊटी : तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
 - लक्षद्वीप : 32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्षद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
 - उदयपुर : उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
 - पचमढ़ी : होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और रिव्टजरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
 - लोनावला : महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूर्णे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
 - श्रीनगर : कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।



प्रदेश के सभी एसटीपी की रियल टाइम महंगे शौकों ने दो छात्रों को मॉनिटरिंग का बनेगा मैकेनिज्म : मुख्य सचिव

पहुंचाया सलाखों के पीछे

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य सचिव आनन्द बहैन ने बुधवार को सचिवालय में 25 बिंदु कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति के साथ उनके धरातल पर असर और आमजन को मिल रहे लाभ का भी आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी एसटीपी की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए प्रभावी एवं केन्द्रीयकृत व्यवस्था तैयार की जाए। इससे एसटीपी के संचालन और निर्धारित मानकों के अनुपालन पर लगातार नजर रखी जा सकेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले कलेक्षण से लाभाभियों को अब तक कितनी मॉनिटाइजेशन हुई है और कितने लोगों को इसका लाभ मिला है, इसका पूरा आंकड़ा तैयार किया जाए। साथ ही इससे लोगों की आय में कितना इजाफा हुआ, इसका भी आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी



योजना की सफलता केवल उसके तहत किए गए कार्यों से नहीं, बल्कि उससे लोगों को मिल रहे वास्तविक लाभ से तय होनी चाहिए। उन्होंने डेर-टू-डेर कवच कलेक्शन और

सेग्रीगेशन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कचरे के संग्रहण से लेकर उसके पृथक्करण और निस्सारण तक पूरी व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों एवं सचिव पेयजल को एसटीपी से सम्बन्धित कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की क्षमता के अनुरूप एसटीपी का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि 25 पॉइंट कार्यक्रम की नियमित और मासिक समीक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समीक्षा में केवल आंकड़ों की प्रगति देखने के बजाय योजनाओं की जमीनी स्थिति, लाभाभियों को मिल रहे लाभ और सामने आ रही समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजित कुमार सिन्हा, अपर सचिव रीना जोशी, मनुज गोयल, रंजित मीणा, नवनीत पाण्डेय, सम्बन्धित विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



देहरादून। मुख्यमंत्री उत्तरखंड के ड्रस फ्री देवभूमि विजन और वर्तमान में संचालित ऑपरेशन प्रहार के तहत दून पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रेमनगर पुलिस ने पौधा क्षेत्र के पास चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को कुल 8.73 ग्राम अवैध के साथ गिरफ्तार किया पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर

जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और बिन्नी में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 30 सितंबर 2026 को थाना प्रेमनगर पर गठित पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर पौधा के पास चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवकों को रोककर तलाशी ली गई तलाशी के दौरान आदिल मोन के कब्जे से 4.00 ग्राम तथा साबिर अली के कब्जे से 4.73 ग्राम स्मैक बरामद हुई। कुल बरामद मादक पदार्थ की मात्रा 8.73 ग्राम बताई गई है।

निजी शिक्षण संस्थान के छात्र हैं दोनों आरोपी
पुलिस पृष्ठताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे एक निजी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों अपने महंगे शौकों को पूरा करने के लिए कथित तौर पर टयटअ को कम कीमत में खरीदकर लाए थे और इसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को महंगे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाने की फिराक में थे।

पुलिस लाइन देहरादून में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी भावभीनी विदाई



देहरादून, पुलिस लाइन देहरादून में बुधवार को सितंबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में एसएसपी देहरादून की मौजूदगी में पुलिस परिवार की ओर से सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई एसएसपी देहरादून ने

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वे पुलिस परिवार को अभिन्न अंग रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी पुलिस परिवार उनकी हरसंभव सहायता के लिए सदैव तैयार रहेगा।

इस अवसर पर एसएसपी द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में लंबे सेवाकाल के दौरान अर्जित अनुभव विभाग के लिए महत्वपूर्ण हैं और भविष्य में भी पुलिस को उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन का लाभ मिलता रहेगा। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने ड्यूटी के दौरान सामने आई विभिन्न चुनौतियों, समस्याओं और उनके समाधान के लिए किए गए प्रयासों के बारे में उपस्थित पुलिसकर्मियों को जानकारी दी।

फेसबुक पोस्ट मामले में दौलत कुंवर दोषमुक्त

रुद्रप्रयाग। सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट करने के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित कुमार की अदालत ने आरोपी दौलत कुंवर को दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं रहा। अभियोजन के अनुसार सितंबर 2025 में रुद्रप्रयाग में घटना—प्रदर्शन के दौरान दौलत कुंवर पर फेसबुक के माध्यम से जाति विशेष को लेकर भड़काऊपोस्ट करने का आरोप था। मामले में पुलिस ने झूठे बयान या अफवाह व डर पैदा करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में पुलिस ने आरोपपर न्यायालय में दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पांच पुलिस गवाह पेश किए। अदालत ने पाया कि कथित फेसबुक पोस्ट और आरोपी को फेसबुक अकाउंट की पुष्टि नहीं कराई गई थी। जिस मोबाइल या डिवाइस से पोस्ट किए जाने का आरोप था उसे भी पुलिस ने कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच नहीं कराई।

संक्षिप्त समाचार

गोदभराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित

रुद्रप्रयाग। आंगनबाड़ी केंद्र मल्यागांव में आंगन का मिलन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और एक बच्चे का अन्नप्राशन कराया गया। सुपरवाइजर बीना देवी ने शालिनी देवी और पिंकी देवी को फल, हरी सब्जी व नारियल आदि देकर गोदभराई की। साथ ही 15 किशोरियों को डाइरी दी गई। गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, प्रसव पूर्व जांच, आयरन व कैल्शियम की गोलीयों के सेवन और संस्थागत प्रसव के महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनीता देवी, ग्राम प्रधान सतेश्वरी देवी, सुपरवाइजर पुष्पा खत्री, नर्मदा काला, रागिनी जोशी, ब्लॉक समन्वयक पवन आर्य सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जांच की

रुद्रप्रयाग। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर पालिका परिषद की ओर से पर्यावरण मित्रों और मोहल्ले स्वच्छता समितियों के सदस्यों के लिए सफाई मित्र सुस्त्रा एवं सम्मान शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित शिविर में स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में सफाई कर्मियों को आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी एवं बीमा योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छता कार्य के दौरान बर्ती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने और युवाओं में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान लोगों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की गई।

किमाणा खाटली में भूधंसाव से मकान में पड़ी दरारें

बसुकेदार। तहसील की ग्राम सभा किमाणा खाटली में भूधंसाव लगातार जारी है। यहां कई आवासीय भवनों में दरारें बढ़ने से ग्रामीणों में डर का माहौल है। भरत सिंह पंवार के घर की हर दीवार में दरारें पड़ गई हैं। डर के कारण परिवार दूसरे के घर में रहने के लिए मजबूर है। प्रधान पवन कुमार, पूर्व प्रधान प्रमिला देवी, सुरवीर नेगी और जयेंद्र पंवार समेत कई ग्रामीणों ने कहा कि तहसील स्तर से लोक निर्माण विभाग उखीमठ की निरीक्षण के लिए कहा गया था। उनका आरोप है कि दो से तीन माह बाद भी विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचा। उपजिलाधिकारी भरत सिंह पौनिया ने बताया कि कई बार सहायक अभियंता से दूरभाष पर मौके का निरीक्षण करने के लिए कहा है।

उखीमठ—करोखी मार्ग पर जगह—जगह गह्वे

उखीमठ। उखीमठ—पैज—करोखी मार्ग पर जगह—जगह गह्वे होने से ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने मार्ग के शीघ्र सुधारीकरण की मांग उठाई। इंदरपुर वाई निवासी अनिल कुंवर, आशीष रावत, राजेश बत्वाल एवं विनोद बत्वाल ने बताया कि यह मार्ग करोखी तक करीब नौ किलोमीटर लंबे मार्ग का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डामर उखड़ने से गड्ढों में तब्दील हो चुका है। नगर पंचायत के उदयपुर वाई सहित ग्राम सभा करोखी एवं पैज के ग्रामीण प्रतिदिन इसी जर्जर मार्ग से आवाजाही करने को मजबूर हैं। वहीं एनपीसीसी के सहायक अभियंता अजय डबवाल ने बताया कि मार्ग के सुधारीकरण एवं गड्ढा मुक्त करने के लिए विभाग की ओर से 11.74 लाख रुपये का आगनन तैयार कर शासन को भेजा गया है।

योजनाओं की जानकारी दी

रुद्रप्रयाग। सेवा संकल्प अभियान के तहत सूचना विभाग की ओर से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दल बच्चनच्युं मंडाण गुप गीत—नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से गांवों में जाकर ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।

उत्तराखंड पशुचिकित्सा परिषद की कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न

देहरादून। उत्तराखंड राज्य पशुचिकित्सा परिषद, देहरादून की द्वितीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सोमवार, 30 सितंबर 2026 को परिषद सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष डॉ. कैलाश उनीवाल ने की। बैठक में नव निर्वाचित एवं नामित सदस्यों के साथ पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. उदय शंकर, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं पशुधर्मिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के अधिवक्ता प्रतिनिधि डॉ. मंजुल काण्डपाल तथा उत्तराखंड पशुचिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार डॉ. प्रलयंकर नाथ उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत रजिस्ट्रार द्वारा एगू सदस्यों के स्वागत एवं अभिर्नंदन से हुई। इस दौरान भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 के विभिन्न प्राधानों तथा प्रस्तावित उत्तराखंड पशुचिकित्सा परिषद नियमावली-2026 के प्रावधानों की जानकारी सदस्यों को दी गई।

परिषद की ओर से प्रदेश के पशुचिकित्सकों के कौशल विकास एवं नवीन पशुचिकित्सा तकनीकों



से उन्हें अपडेट रखने के लिए लगातार सतत पशुचिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर भी जोर दिया गया। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. उदय शंकर ने सभी सदस्यों को बधाई देते हुए परिषद की कार्यकारिणी को सुदृढ़ एवं प्रभावी

बनाने तथा पशुचिकित्सकों के हित में कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने पशुपालकों एवं पशुचिकित्सकों के हितों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए परिषद के माध्यम से विभाग को आवश्यक सुझाव उपलब्ध करने की बात कही।

कबड्डी के उद्घाटन मैच में कीर्तिनगर ने भिलंगना को हराया

कंडीसौड़ (टिहरी)। माध्यमिक शिक्षा विभाग की जिलास्तरीय शरदकालीन ज़ेड़ा प्रतियोगिता (कबड्डी और खो-खो) जीआईसी छाम (कंडीसौड़) में शुरू हो गई। उद्घाटन मैच बालिका वर्ग कबड्डी में कीर्तिनगर ने भिलंगना ब्लॉक को 11-10 से हराया। जीआईसी कंडीसौड़ में दायित्वधारी जोत सिंह विष्ट, भाजयुगो के प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत, ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र भंडारी और सौईओ कमला बड़वाल ने जिलास्तरीय शरदकालीन तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

मोडिया प्रभारी चन्द्रप्रसाद भद्री ने बताया कि अंडर-19 की

बालिका वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में कीर्तिनगर ने भिलंगना को 11-10 से हराया।

अंडर-17 बालिका वर्ग में जाखणीधर ने देवप्रयाग को 24-12, अंडर-14 बालक वर्ग में जाखणीधर ने भिलंगना को 25-10 से हराया। अंडर-19 बालक वर्ग कबड्डी में भिलंगना ने देवप्रयाग को 36-10 से हराया। खो-खो अंडर 19 बालिका वर्ग के बची हुए मुकाबले में प्रतापनगर ने देवप्रयाग को 6-4 से परास्त किया। भिलंगना ने चंबा को 3-2 से हराया। अंडर-19 बालिका वर्ग में भिलंगना ने चंबा को 3-2 से हराया। बालिका वर्ग अंडर-17 भिलंगना ने थौलधार को 9-7 से हराया।

वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता—2026 में उत्तराखंड के युवाओं का गौरवपूर्ण प्रदर्शन

देहरादून। चीन के शंघाई में 22 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित 48वीं वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता-2026 में उत्तराखंड के दो प्रतिभाशाली युवाओं ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उत्तरकाशी की सानिया जोशी ने रिटेल सेल्स और देहरादून के पार्थ वोहरा ने औद्योगिक डिजाइन तकनीकी कौशल में रजत पदक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया। दोनों युवाओं की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सोमेश बहुगुणा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रतिष्ठित कौशल मंच पर उत्तराखंड के युवाओं द्वारा देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक हासिल करना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य युवाओं को भी कौशल विकास और उत्कृष्टता की दिशा में



आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। 1,400 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

परियोजना निदेशक, उत्तराखंड कौशल विकास समिति नरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता को कौशल के क्षेत्र में ओलिंपिक के समान प्रतिष्ठित वैश्विक मंच माना जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता में करीब 1,400 प्रतिभागियों ने 65 विभिन्न कौशल विधाओं में हिस्सा लिया। भारत ने प्रतियोगिता में 8 रजत पदक और 20 मेडलियन्स फॉर एक्सीलेंस हासिल किए और विश्व स्तर पर 10वां स्थान प्राप्त किया। इसे प्रतियोगिता में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बताया गया है।

इंडियास्किल्स से वर्ल्डस्किल्स तक का सफर

सानिया जोशी और पार्थ वोहरा ने इंडियास्किल्स की राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह बनाई थी।

कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग तथा उत्तराखंड कौशल विकास समिति की ओर से दोनों प्रतिभागियों को प्रशिक्षण, बूट-कैंप, यात्रा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग दिया गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियों के लिए नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनसीडी) की ओर से भी आवश्यक प्रशिक्षण एवं सहयोग प्रदान किया गया।

उत्तराखंड के इन दोनों युवाओं की उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि प्रदेश की युवा प्रतिभाएं राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी मेहनत और कौशल का लोहा मनवा रही हैं।

देहरादून में भाजपा पार्षद के घर सनसनीखेज वारदात

देहरादून। राजधानी देहरादून में भाजपा पार्षद के घर घरेलू सहायक द्वारा कथित तौर पर खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर परिवार के सदस्यों की बेहोश करने और घर से सोने के

साथियों के साथ फरार हो गया। परिवार के सदस्यों को होश आने के बाद घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पार्षद की हालत गंभीर
घटना के बाद भाजपा पार्षद अमिता सिंह के परिवार ने करीब 20 दिन पहले दिल्ली से नेपाल मूल के एक व्यक्ति को घरेलू कामकाज के लिए बुलाया था। आरोप है कि मंगलवार रात घरेलू सहायक ने परिवार के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाने के बाद परिवार के सदस्य बेहोशी की हालत में पहुंच गए। इसी दौरान आरोपित घर में रखे सोने के आभूषण लेकर कथित तौर पर अपने

साथियों के साथ फरार हो गया। परिवार के सदस्यों को होश आने के बाद घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही घरेलू सहायक की बेहोशी की हालत में पहुंच गए। इसी दौरान आरोपित घर में रखे सोने के आभूषण लेकर कथित तौर पर अपने

साथियों के साथ फरार हो गया। परिवार के सदस्यों को होश आने के बाद घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल
द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

एशियाड में 10वां गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत -एशियन गेम्स के 11वें दिन तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकित्ता

तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांड और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी के तीनों इवेंट में गोल्ड जीते। विमेंस टीम ने चीन को 238-234 से



हराकर अपने खिताब का बचाव किया। मिक्स्ड टीम फाइनल में चिकित्ता और साहिल का मुकाबला साउथ कोरिया की पार्क जंगयून और चोई योगही से था। भारत ने शूट-ऑफ में गोल्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजलिस ओलिंपिक के कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी हासिल किया।पुरुष टीम फाइनल में साहिल, गणेश और कुशल की टीम ने

चीन को 238-237 से हराया। भारत शुरुआती एंड में 58-60 से पीछे था, लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने लगातार शानदार निशाने लगाए। फाइनल के बाद के 180 में भारत ने 180 अंक हासिल किए। साहिल ने अपने सभी 8 शॉट में 10 अंक बनाए, जबकि गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच लगातार 10 लगाए।

नीरू-किनान ने शूटिंग में दिलाया गोल्ड

ट्रैप मिक्स्ड टीम फाइनल में नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने भारत को गोल्ड दिलाया। भारत ने शुरुआत में 10 में से 6 हिट किए थे और एक समय चार टीमों में सबसे नीचे था। इसके बाद दोनों ने एक भी टारगेट मिस नहीं किया और शानदार वापसी करते हुए गोल्ड जीता। भारत ने कतर को सिर्फ एक अंक से पीछे छोड़ा। चीन ने ब्रॉंज जीता। नीरू का यह इन गेम्स में दूसरा गोल्ड है। इससे एक दिन पहले उन्होंने विमेंस ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता था।

हॉकी में साउथ कोरिया को 2-0 हराकर फाइनल में भारत

भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत के लिए इशिका ने पेनल्टी कॉर्नर की वरिष्ठता पर गोल किया, जबकि क्सात सल्लिमा ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी की। अब भारत का गोल्ड मेडल मैच चीन से होगा।। वह मुकाबला 2 अक्टूबर को खेला जाएगा।

कैपबेल भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बने



गुवाहाटी (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैपबेल ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय में भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैपबेल ने दूसरे एकदिवसीय में केवल 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैपबेल ने इसी के साथ ही 27 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा। अब तक यह रिकार्ड रिकार्डो

पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से एकदिवसीय प्रारूप में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। इस प्रारूप में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था।

एशियाई खेलों के समीफाइनल में आज होगा भारत-पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीमों के बीच मुकाबला

टोक्यो (एजेंसी)। एशियाई

खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को समीफाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला करेगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल-ए में शीर्ष स्थान बनाया है, जबकि पाकिस्तान ने पूल-बी में दूसरा स्थान हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया है।

भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ग्रुप चरण में अपना दबदबा बनाते हुए अंतिम आखिरी लीग मैच में बांग्लादेश को 10-0 के बड़े अंतर से हराकर दिखा दिया है कि वह आक्रामक आंदज में खेलती रहेगी। इस एकतरफा जीत के साथ ही, भारतीय टीम ने पूल-ए में अपने सभी पांचों मुकाबले जीते और 15 अंकों के साथ शीर्ष पर अपनी पकड़ बना ली है। पूरे टूर्नामेंट में टीम की आक्रामक और

रक्षापंक्ति ने अच्छा समन्वय दिखाया है जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

वहीं पूल-बी में पाकिस्तान ने भी चार मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए समीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है। एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से ही रोमांचक होता आया है इस मैच में दोनों ही टीमों पर दबाव रहता है जिससे मैच के दौरान वही टीम जीतती है जो बेहतर रणनीति से उतरती है।

एशियाई खेलों के हॉकी इतिहास में भारत और पाकिस्तान का एक गौरवशाली रिकार्ड रहा है। पाकिस्तान ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आठ बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है, जबकि भारत ने चार बार यह खिताब जीता है। पिछले एशियाई खेलों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 5-1 से करारी



शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता था, जिससे वे इस बार अपने खिताब का बचाव करने की प्रबल दावेदार हैं। मौजूदा

चैंपियंस होने के नाते, भारत पर थोड़ा अतिरिक्त दबाव भी होगा, लेकिन टीम अपने लक्ष्य को लेकर पूरी तरह केंद्रित है।

वित्ता ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकार्ड तोड़ा



आईवी। भारत की वित्ता रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकार्ड तोड़ दिया।। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकार्ड भी ध्वस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफलता हासिल कर वित्ता ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्ता ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया।इससे पहले, वित्ता एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्ता के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लॉस एंजलिस ओलिंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकार्ड से आगे निकल गयी है। टुक झड़वर पिता की बेटी वित्ता के लिए यह सफलता रातो-रात नहीं आई है, बल्कि यह वर्षों के संघर्ष और त्याग का परिणाम है। उनके और उनके परिवार ने बचपन में अनगिनत आर्थिक कठिनाइयों और अपावों का सामना किया। परिवार में हमेशा सुख-सुविधाओं की कमी रही, लेकिन वित्ता और उनकी जुड़वा बहन नित्या, जो खुद भी एक प्रसिद्ध एथलीट हैं, ने कभी हार नहीं मानी।

प्रज्ञान ओझा बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नये अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर तक का ही है। ऐसे में चार अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना बैठक में प्रज्ञान के नाम की घोषणा होना तय है। अभी ओझा चार सदस्यीय चयन समिति के अंतरिम प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। गत दिवस गुवाहाटी में बोर्ड की एक अहम बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह बैठक में उपस्थित थे। वहीं अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिससे बाद से ही ये साफ हो गया कि अब उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ेगा।

यह बैठक मुख्य रूप से भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों के



चयन और टीम संयोजन के लिए बुलायी गयी थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड में 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों के साथ ही 4 नवंबर से पांच एकदिवसीय और 19 नवंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय ए टीम को भी न्यूजीलैंड दौरे पर तीन

समझ को ही अंतरिम तौर पर चयन समिति की कमान सौंप जाने का मुख्य कारण माना जा रहा है। मौजूदा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का बीसीसीआई के साथ मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त होना है, और उन्होंने बोर्ड को पहले ही सूचित कर दिया था कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहेंगे।

अने वाले समय में भारतीय चयनकर्ताओं के सामने कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के अलावा, 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड प्रबंधन, उनकी उपलब्धता और अलग-अलग फॉर्मेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श करना होगा। फिलहाल प्रज्ञान ओझा को केवल अंतरिम जिम्मेदारी मिली है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें स्थायी रूप से भी इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय क्रिकेट टीम का समीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के निश्चिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के समीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को समीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निश्चिन में खेला जाएगा।

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले

दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है।

इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद समीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है। अब सबकी निगाहें चौथे क्वार्टरफाइनल पर हैं। यदि वह मुकाबला

भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश समीफाइनल में पहुंचेगा और मलेशिया का अभियान समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। भारत और श्रीलंका सहित एशियन गेम्स 2026 के सभी समीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर को खेले जाने हैं। यदि समीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो जाते हैं, तो टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बेहतर रैंक वाली टीमों सीधे फाइनल में पहुंच जाएंगी।

भारत की प्रिया घंघास को एशियाई खेलों की मुक्केबाजी में कांस्य मिला



नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघास को चीनी मुक्केबाज यांग चेंगयु के हाथों मिली हार के साथ ही एशियाई खेलों में कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा है। प्रिया को महिलाओं की 60 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में चीन की यांग चेंगयु के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारा हुआ घोषित कर दिया गया। प्रिया ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी और उन्हें अपने आक्रामक खेल के चलते फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर चीनी मुक्केबाज उनपर भारी पड़े गयीं।

सेमीफाइनल में चीनी मुक्केबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसके जवाब में प्रिया ने भी हमले किये। पहले राउंड के दूसरे हाफ में भारतीय मुक्केबाज कुछ प्रभावी कॉम्बिनेशन लगाए। प्रिया के कुछ बेहतरीन एक्सचेंजों के बावजूद, जजों

ने पहले दौर में 3-2 के करीबी अंतर से चीनी मुक्केबाज यांग को विजयी करार दिया। इसके बाद प्रिया ने दूसरे दौर में आक्रामक रुख अपनाते हुए स्कोर के अंतर को कम करने के पूरे प्रयास किये। वहीं यांग संतुलित रहीं और उसने भारतीय मुक्केबाज को कोई अवसर नहीं दिया। यांग ने कई असरदार पंचों के साथ ये दौर 4-1 से जीत, इससे प्रिया अंतिम तीन मिनट में काफी पीछे रह गईं।

वहीं तीसरे और निर्णायक दौर में प्रिया ने टेम्पो बढ़ाने की कोशिश की, पर यांग ने बार-बार दूरी कम की और भारतीय मुक्केबाज के कई हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। प्रिया ने मौके तलाशने जारी रखे, लेकिन यांग का डिफेंस अनुशासित बना रहा और उन्होंने कोई मौका नहीं दिया। आखिरकार, यांग ने यह दौर भी 4-1 से जीतकर मुकाबला 4-1 के विभाजित फैसले से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह बनायी। इस हार के साथ ही प्रिया का एशियाई खेलों में सफर कांस्य पदक के साथ पूरा हुआ।

महिला प्रीमियर लीग :63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीजन के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटें और रीलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौकाने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हैरिस को रीलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है।इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमें एड्डी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थीं, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। उनकी वापसी से टीम का संतुलन काफी मजबूत होगा। दूसरी तरफ आरसीबी ने ग्रेस हैरिस समेत कुल चार खिलाड़ियों को रीलीज करने का कड़ा फैसला लिया है।

मोहित बने सीएसके के नये गेंदबाजी कोच

चेन्नई। आईपीएल के अगले सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मोहित शर्मा को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। मोहित को एरिक सिमंस की जगह नया कोच बनाया गया है। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथन ने मोहित को कोच बनाने की पुष्टि करते हुए बताया है कि टीम के मुख्य कोच जहीर खान ने मोहित शर्मा के नाम की सिफारिश की थी। यह कदम आगामी सीजन के लिए टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाता है। गौरतलब है कि मोहित का सीएसके और उसके पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ एक पुराना और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने धोनी की कप्तानी में चेन्नई के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेले और टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ उनके अनुभव का लाभ उठाना जाएगा। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मोहित का यह अनुभव खिलाड़ियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और वह टीम की गेंदबाजी इकाई को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्य कोच जहीर खान का मानना है कि मोहित का चेन्नई के माहौल से जुड़ाव और उनका खेल के प्रति गहरा ज्ञान टीम के लिए अमूल्य साबित होगा। गौरतलब है कि मोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपने करियर की शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने 2013 में टीम के लिए पदार्पण किया और अपने पहले ही सत्र में 15 मैचों में 20 विकेट हासिल कर खूबों को प्रभावित किया। इसके बाद आईपीएल 2014 में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और चेन्नई के लिए 23 विकेट लेकर उस सीजन में टीम के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बने। यह उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। चेन्नई के अलावा, उन्होंने पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस की भी प्रतिनिधित्व किया है। अपने पूरे आईपीएल करियर में, मोहित ने कुल 120 मैचों में 134 विकेट हासिल किए हैं। चेन्नई के लिए वह 2013 से 2015 तक और फिर 2019 में खेले थे। धरेलु क्रिकेट में हरिश्चाना के लिए खेलने वाले मोहित ने 2012-13 के रणजी सत्र में आठ मैचों में 37 विकेट लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, उन्होंने जुलाई 2013 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे में पदार्पण किया। 2015 के विश्व कप में भी वह भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उन्होंने 13 विकेट लिए थे। भारत के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 37 विकेट लिए हैं, जो उनकी प्रतिभा और अनुभव को बखूबी दर्शाता है। अब चेन्नई सुपर किंग्स में उनकी यह नई भूमिका उनके क्रिकेट ज्ञान और अनुभव का एक नया अध्याय होगी।



हॉलीवुड अभिनेता जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर सैटरली के निधन पर दुख जाया

इलिनोइस। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और पूर्व प्रोफेशनल रेसलर ड्वेन द रॉक जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में नेविल और पीएसी के नाम से लोकप्रिय हुए ब्रिटिश रेसलर बेजामिन सैटरली के निधन पर दुख जाया है। सैटरली का 40 साल की उम्र में ही निधन होने पर जॉनसन ने कहा कि पेशेवर कुश्ती भले ही वैश्विक स्तर पर एक विशाल खेल हो पर इससे जुड़े लोग आज भी एनू-दूसरे के बेहद करीब हैं, और किसी साथी को खोना सभी के लिए अत्यंत दुखद होता है। सोशल मीडिया में एक भावुक वीडियो साझा करते हुए जॉनसन ने कहा, यह बात कहते हुए मेरा दिल दर्द का अनुभव कर रहा है। मैं सैटरली परिवार के लिए अपना धारा और समर्थन भेजना चाहता हूँ। अपने प्रियजन को खोने के दर्द से गुजर रहे परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सैटरली के कुश्ती करियर को याद करते हुए जॉनसन ने बताया, मैं उनसे मिला था और हाथ भी मिलाया था।

